

BACHELOR OF ARTS (GENERAL) (BAG)

Term-End Examination December, 2024

BPAC-132: ADMINISTRATIVE THINKERS

ALL IMPORTANT QUESTIONS FOR EXAM

FOR HINDI & ENGLISH BOTH CLASSES

2ND PART

Write a note on principles of organisation as specified by Henri Fayol.

Henri Fayol, a French management theorist, outlined 14 principles of organization that are fundamental to effective management. These principles guide the structure and functioning of an organization to ensure efficiency and smooth operations.

1. **Division of Work:** This principle suggests that work should be divided into smaller tasks to improve efficiency. By specializing, workers can focus on specific tasks and become more skilled, resulting in better overall performance.

कार्य का विभाजन: यह सिद्धांत कहता है कि कार्यो को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटना चाहिए ताकि कार्य कुशलता बढ़ सके। विशेषज्ञता के द्वारा, कर्मचारी विशेष कार्यो पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं और ज्यादा दक्ष हो सकते हैं, जिससे समग्र प्रदर्शन में सुधार होता है।

2. **Authority and Responsibility:** Fayol emphasized that authority and responsibility should go hand in hand. Managers must have the authority to give orders and the responsibility to ensure those orders are carried out.

अधिकार और जिम्मेदारी: फ़ैयोल ने यह बल दिया कि अधिकार और जिम्मेदारी दोनों एक साथ होना चाहिए। प्रबंधकों के पास आदेश देने का अधिकार होना चाहिए और उन आदेशों को लागू करने की जिम्मेदारी भी होनी चाहिए।

3. **Discipline:** Good discipline is essential for the smooth functioning of any organization. Employees must respect the rules, regulations, and agreements in place for the organization to run efficiently.

अनुशासन: किसी भी संगठन के सुचारू संचालन के लिए अच्छे अनुशासन की आवश्यकता होती है। कर्मचारियों को संगठन के नियमों, विनियमों और समझौतों का सम्मान करना चाहिए ताकि संगठन कुशलता से चल सके।

4. **Unity of Command:** According to this principle, each employee should receive orders from only one superior. This reduces confusion and ensures that employees are clear about their responsibilities.

आदेश की एकता: इस सिद्धांत के अनुसार, प्रत्येक कर्मचारी को केवल एक superior से आदेश प्राप्त करना चाहिए। इससे भ्रम कम होता है और कर्मचारियों को उनकी जिम्मेदारियों के बारे में स्पष्टता मिलती है।

5. **Unity of Direction:** Fayol stated that the organization should have a single plan of action to guide all employees toward a common goal. All efforts should be directed toward achieving the organization's objectives.

दिशा की एकता: फ़ैयोल ने कहा कि संगठन को सभी कर्मचारियों को एक सामान्य लक्ष्य की ओर मार्गदर्शन करने के लिए एक ही क्रियावली का पालन करना चाहिए। सभी प्रयासों को संगठन के उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में लगाना चाहिए।

6. **Subordination of Individual Interest to General Interest:** The interest of the organization should come first. Employees must prioritize the organization's goals over their personal interests.

व्यक्तिगत हितों का सामान्य हित से अधीन होना: संगठन का हित पहले आना चाहिए। कर्मचारियों को अपने व्यक्तिगत हितों से ऊपर संगठन के लक्ष्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

7. **Remuneration:** Fayol emphasized that employees should be fairly compensated for their work. Fair wages motivate employees and contribute to their job satisfaction.

मुआवजा: फ़ैयोल ने यह बल दिया कि कर्मचारियों को उनके कार्य के लिए उचित रूप से मुआवजा दिया जाना चाहिए। उचित वेतन कर्मचारियों को प्रेरित करता है और उनके नौकरी से संतुष्टि में योगदान करता है।

8. **Centralization:** This principle refers to the degree to which authority is concentrated in the hands of top management. Fayol suggested a balance between centralization and decentralization based on the size of the organization.

केंद्रीकरण: यह सिद्धांत इस बात को दर्शाता है कि प्राधिकरण किस हद तक उच्च प्रबंधन के हाथों में केंद्रित है। फ़ैयोल ने संगठन के आकार के आधार पर केंद्रीकरण और विकेंद्रीकरण के बीच संतुलन बनाए रखने का सुझाव दिया।

9. **Scalar Chain:** Fayol argued that there should be a clear chain of command in the organization, where communication flows from top to bottom in a clear and structured way.

सीलर श्रृंखला: फ़ैयोल ने तर्क किया कि संगठन में आदेशों की एक स्पष्ट श्रृंखला होनी चाहिए, जहां संचार ऊपर से नीचे की ओर एक स्पष्ट और संरचित तरीके से प्रवाहित हो।

10. **Order:** There should be a systematic arrangement of resources and people. Everything should be in its proper place to ensure efficiency.

व्यवस्था: संसाधनों और लोगों का एक व्यवस्थित तरीके से व्यवस्था होनी चाहिए। सब कुछ अपनी उचित जगह पर होना चाहिए ताकि दक्षता सुनिश्चित हो सके।

11. **Equity:** Fayol believed that employees should be treated with fairness, kindness, and justice. Fair treatment boosts morale and fosters loyalty.

न्याय: फैयोल का मानना था कि कर्मचारियों के साथ निष्पक्षता, दयालुता और न्याय के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। निष्पक्ष व्यवहार कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाता है और वफादारी को बढ़ावा देता है।

12. **Stability of Tenure of Personnel:** Fayol emphasized the need for job security. A stable workforce leads to increased productivity and organizational loyalty.

कर्मचारियों के कार्यकाल की स्थिरता: फैयोल ने नौकरी की सुरक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। एक स्थिर कार्यबल उत्पादकता और संगठनात्मक वफादारी में वृद्धि करता है।

13. **Initiative:** Fayol encouraged employees to take initiative in their work. When employees are allowed to express their ideas and take responsibility, it leads to innovation and better performance.

पहल: फैयोल ने कर्मचारियों को उनके कार्यों में पहल करने के लिए प्रेरित किया। जब कर्मचारियों को अपने विचार व्यक्त करने और जिम्मेदारी लेने की अनुमति दी जाती है, तो यह नवाचार और बेहतर प्रदर्शन की ओर ले जाता है।

14. **Esprit de Corps:** Fayol believed that teamwork and harmony among employees are essential for the organization's success. A good team spirit encourages collaboration and improves overall morale.

समान भावना: फैयोल का मानना था कि कर्मचारियों के बीच टीमवर्क और सामंजस्य संगठन की सफलता के लिए आवश्यक है। एक अच्छा टीम भावना सहयोग को प्रोत्साहित करता है और समग्र मनोबल को बढ़ाता है।

Describe the major principles of Gandhian concept of Swaraj.

Gandhian concept of **Swaraj** (Self-Rule) is a central idea in Mahatma Gandhi's philosophy of social, political, and economic life. It focuses on self-governance, both at the individual and community level, and the liberation of the people from external control. Here are the major principles of Gandhian Swaraj:

1. **Self-Rule (Swaraj) at the Individual Level:** Gandhi emphasized that true freedom starts with individual self-control and self-discipline. A person must be in control of their desires, actions, and thoughts. By practicing non-violence and truth, individuals can attain a higher state of self-rule.

व्यक्तिगत स्तर पर स्वराज: गांधी ने यह बल दिया कि असली स्वतंत्रता व्यक्तिगत आत्म-नियंत्रण और आत्म-अनुशासन से शुरू होती है। एक व्यक्ति को अपनी इच्छाओं, कार्यों और विचारों पर नियंत्रण रखना चाहिए। अहिंसा और सत्य का पालन करके व्यक्ति आत्म-शासन की उच्च अवस्था को प्राप्त कर सकता है।

2. **Decentralization of Power:** Gandhi's concept of Swaraj called for decentralization, where power is distributed to local communities and not concentrated in the hands of a few. He advocated for **village republics** that are self-sufficient, where every individual has a voice in decision-making.

शक्ति का विकेंद्रीकरण: गांधी के स्वराज के सिद्धांत में विकेंद्रीकरण की बात की गई है, जहां शक्ति स्थानीय समुदायों में वितरित की जाती है और कुछ लोगों के हाथों में नहीं होती। उन्होंने **ग्राम गणराज्य** का समर्थन किया, जो आत्मनिर्भर हों, जहां हर व्यक्ति को निर्णय लेने में आवाज मिलती है।

3. **Non-Violence (Ahimsa):** Ahimsa is the cornerstone of Gandhian Swaraj. Gandhi believed that true self-rule cannot be achieved through violence. Instead, it must be based on non-violence and love for all living beings. He believed that non-violence would bring about social and political change.

अहिंसा: अहिंसा गांधी के स्वराज का मुख्य आधार है। गांधी का मानना था कि असली स्वराज हिंसा के माध्यम से नहीं प्राप्त किया जा सकता। बल्कि, यह अहिंसा और सभी जीवों के प्रति प्रेम पर आधारित होना चाहिए। उनका मानना था कि अहिंसा सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन लाएगी।

4. **Self-Sufficiency (Swadeshi):** Gandhi promoted the idea of self-sufficiency for communities and nations. He urged people to use local resources and produce their own goods. The **Swadeshi Movement** was a key part of this principle, where Gandhi encouraged people to boycott foreign goods and support domestic products.

आत्मनिर्भरता (स्वदेशी): गांधी ने समुदायों और देशों के लिए आत्मनिर्भरता का विचार बढ़ावा दिया। उन्होंने लोगों से स्थानीय संसाधनों का उपयोग करने और अपनी खुद की वस्तुएं बनाने का आग्रह किया। **स्वदेशी आंदोलन** इस सिद्धांत का एक प्रमुख हिस्सा था, जिसमें गांधी ने लोगों से विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने और घरेलू उत्पादों का समर्थन करने के लिए कहा।

5. **Truth (Satya):** Gandhi regarded truth as the highest principle in life. Swaraj could only be achieved when individuals and the community adhered to the principles of truthfulness, integrity, and moral conduct. Living in harmony with truth is essential for the development of self-rule.

सत्य: गांधी ने सत्य को जीवन का सर्वोच्च सिद्धांत माना। स्वराज तब ही प्राप्त हो सकता है जब व्यक्ति और समाज सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और नैतिक आचरण के सिद्धांतों का पालन करें। सत्य के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन जीना आत्म-शासन के विकास के लिए आवश्यक है।

6. **Social and Economic Justice:** Gandhi believed that Swaraj was not only political freedom but also social and economic equality. He advocated for the removal of untouchability, caste discrimination, and exploitation of the poor. Swaraj, for Gandhi, meant a society where every person's dignity is respected and everyone has equal opportunities.

सामाजिक और आर्थिक न्याय: गांधी का मानना था कि स्वराज केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक समानता भी है। उन्होंने अछूत प्रथा, जातिवाद भेदभाव और

गरीबों के शोषण को समाप्त करने का समर्थन किया। गांधी के लिए स्वराज का मतलब एक ऐसा समाज था, जहां प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा का सम्मान किया जाए और सभी को समान अवसर मिलें।

7. **Simple Living and High Thinking:** Gandhi believed in living a simple, frugal life. He promoted minimalism in material needs and emphasized the importance of moral and intellectual growth. By focusing on simplicity, individuals could achieve inner peace and contribute to the betterment of society.

सादा जीवन और उच्च विचार: गांधी का मानना था कि एक सादा, मितव्ययी जीवन जीना चाहिए। उन्होंने भौतिक आवश्यकताओं में न्यूनतमता को बढ़ावा दिया और नैतिक और बौद्धिक विकास के महत्व पर बल दिया। सरलता पर ध्यान केंद्रित करके, व्यक्ति आंतरिक शांति प्राप्त कर सकते हैं और समाज के कल्याण में योगदान कर सकते हैं।

8. **Unity and Harmony:** Gandhi emphasized unity among different communities, religions, and cultures. He believed that true Swaraj would only be achieved when there was mutual respect, understanding, and harmony among the diverse sections of society.

एकता और सामंजस्य: गांधी ने विभिन्न समुदायों, धर्मों और संस्कृतियों के बीच एकता पर बल दिया। उनका मानना था कि असली स्वराज तब ही प्राप्त हो सकता है जब समाज के विभिन्न हिस्सों के बीच आपसी सम्मान, समझ और सामंजस्य हो।